भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
करनाल–132001

हिंदी पखवाड़ा आयोजन विवरण (14 से 28 सितम्बर 2022)

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में 14 से 28 सितम्बर 2022 के मध्य हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया गया। दिनांक 14 सितम्बर 2022 को हिन्दी पखवाडे का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रभाग ने दीप प्रज्जवलित करके किया। हिन्दी पखवाड़ा समिति के अध्यक्ष डा. राम किशोर फगोड़िया ने हिन्दी के महत्व को बताते हुए राजभाषा के नियमों व अधिनियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का विस्तृत विवरण दिया।

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डा. एस. के. चौधरी ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक सिनेमा, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रभाव बढ़ा है। हमें अपनी भावनाएं हिन्दी को माध्यम बनाकर व्यक्त करनी चाहिए। इस संस्थान में हिन्दी में काफी कार्य हो रहा है। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमें अपने रोज के कार्य में हिन्दी को महत्व देना चाहिए और सहज और सरल हिन्दी भाषा में संवाद करें। अब देश–विदेश में भी हिन्दी को काफी मान–सम्मान प्राप्त हो रहा है। अगर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर देखने चाहते हैं तो हमें बेहतर उदाहरण स्वयं बनना होगा। उन्होंने आहवान किया कि हमें भी हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया गया था कि राज–काज में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग 15 वर्ष तक होगा उसके बाद केवल हिंदी राज–काज की भाषा होगी लेकिन विरोध के कारण यह निर्णय लागू नहीं हो पाया। आज गूगल व याहू आदि वेबसाइटों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। भारतीय नेता विदेशों में जाकर विश्व मंच पर हिन्दी में भाषण देते हैं। हमें अपने दैनिक कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करने चाहिए। हिंदी एक वैज्ञानिक तथा सरल भाषा है इसलिए इसका अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने हिन्दी के महत्व, देशभक्ति तथा समाज सुधार से संबंधित विषयों पर प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में संस्थान के नियमित एवं अनियमित कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए डा. नीना शर्मा ने कहा कि हिन्दी सिर्फ भाषा नहीं है बल्कि अहसास है, यह हमारी पहचान है। हिन्दी एक समृद्र भाषा है जिसमें शब्दों की बहुलता है। इसमें सारी भाषाओं के शब्दों का समाहित किया गया है। हिन्दी में अनेक पर्यायवाची शब्द हैं, यही इस भाषा की विशेषता है।

इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन करने के लिये डा. राजपाल वैरागी, डा. नीना शर्मा, वरिष्ठ अध्यापिका (हिन्दी) सेंट थेरेसा कॉन्वेंट विद्यालय एवं डा. बीर सिंह अध्यक्ष एवं सहायक आचार्य (हिन्दी विभाग) गुरू नानक खालसा महाविद्यालय, निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में

सहयोग किया। इस अवसर पर डा. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक, कृषि अर्थशास्त्र ने परिणाम बनाने में सहायता की एवं मंच संचालन डा. राजकुमार, वैज्ञानिक (बागवानी) ने किया। सभी प्रभागाध्यक्ष, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के अन्त में डा. राजकुमार, वैज्ञानिक (बागवानी) ने सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया।

हिन्दी पखवाड़े के शुभारम्भ के अवसर पर सभा को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार चौधरी

सभा को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा

कविता पाठ प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए संस्थान के सदस्य

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत निम्नलिखित 12 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं व उनके विजेताओं का विवरण

1	**कविता पाठ प्रतियोगिता (14.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्रीमती रजनी शर्मा द्वितीय पुरस्कार : श्रीमती कालिन्द्री तृतीय पुरस्कार : श्री रेशु, श्रीमती जसबीर कौर
2	**हिन्दी गीत अन्ताक्षरी (15.09.2022)**

	प्रथम पुरस्कार : श्री दिलबाग सिंह, श्री रमेश, श्रीमती रीना रानी, सुश्री आईना द्वितीय पुरस्कार : श्री रेशु, श्री गुरूदीन, श्रीमती कालिन्द्री, सुश्री चारुल तृतीय पुरस्कार : श्री गुरचरण, श्री गोविंद, सुश्री लवप्रीत कौर
3	**सरकारी कामकाज में मूल हिन्दी आलेखन (16.09.2022 से 22.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्रीमती जसबीर कौर द्वितीय पुरस्कार : श्री रेशु, श्री गुरचरण तृतीय पुरस्कार : श्रीमती रीना देवी प्रोत्साहन पुरस्कार : श्रीमती मीना लूथरा
4.	**प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (17.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्री देवेन्द्र कुमार, श्रीमती मीना लूथरा, रजत सिंह, श्रीमती रीटा आहूजा द्वितीय पुरस्कार : श्री दलिप सिंह, श्रीमती जसबीर कौर, संदीप कुमार, सोनू तृतीय पुरस्कार : श्री वजीर सिंह, अंकुर शर्मा, आईना शर्मा, वैशाली
5.	**चल वैजयन्ती प्रतियोगिता (19.09.2022 से 24.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : आहरण एवं वितरण अनुभाग (डी.डी.ओ.)
6	**निबंध लेखन प्रतियोगिता (20.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्री गोविन्द द्वितीय पुरस्कार : श्री राहुल चौधरी तृतीय पुरस्कार : श्रीमती मीना लूथरा प्रोत्साहन पुरस्कार : श्रीमती रीना रानी
7	**हिन्दी टंकण प्रतियोगिता (21.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्रीमती रीटा आहूजा द्वितीय पुरस्कार : श्रीमती नीरू
8	**हिन्दी पोस्टर प्रतियोगिता (22.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : सुश्री लवप्रीत कौर द्वितीय पुरस्कार : सिमरन जास्ट तृतीय पुरस्कार : वरुण सैनी
9	**आवेदन–पत्र लेखन (कुशल सहायक कर्मचारियों के लिए) (23.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्री राजकुमार
10	**तत्काल भाषण प्रतियोगिता (24.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्रीमती अनिता मेहता द्वितीय पुरस्कार : श्री देवेन्द्र यादव तृतीय पुरस्कार : श्रीमती कालिन्द्री
11	**नगर स्तरीय टिप्पणी एवं मसौदा लेखन (26.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : सुश्री सोनिका यादव, भाकृअनुप–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वितीय पुरस्कार : श्री शशि पाल, भाकृअनुप–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल तृतीय पुरस्कार : श्री राजीव कुमार, पंजाब नेशनल बैंक, करनाल प्रोत्साहन पुरस्कार : श्री राकेश कुमार, भाकृअनुप–राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल

12	**वाद–विवाद प्रतियोगिता (28.09.2022)**
	प्रथम पुरस्कार : श्री रेशु द्वितीय पुरस्कार : श्रीमती रजनी शर्मा तृतीय पुरस्कार : श्रीमती कालिन्द्री प्रोत्साहन पुरस्कार : श्रीमती अनिता मेहता

तत्काल भाषण प्रतियोगिता

संस्थान में दिनांक 24.09.2022 को तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के नियमित व अनियमित कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया और प्रतिभागियों ने दिए गए विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए संस्थान के सदस्य एवं अपनी प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी

नगर स्तरीय टिप्पणी एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता

संस्थान में दिनांक 26.09.2022 नगर स्तरीय टिप्पणी एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में करनाल में स्थित नराकास के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के कार्यालय, राष्ट्रीयकृत बैंक उपकृत निगम व संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

नगर स्तरीय टिप्पणी एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागी भाग लेते हुए

पोस्टर प्रतियोगिता

संस्थान में दिनाँक 27.09.2022 को 10.30 बजे (अपराहन) हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा इस प्रतियोगिता में 9 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का अवलोकन डॉ राजेंद्र कुमार यादव और डॉ पी आर भटनागर ने किया। इन्होंने पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन तीन तथ्यों के आधार पर किया जैसे पोस्टर का द्रष्य (अंक 5), प्रस्तुति की विषय वस्तु (अंक 10) और भाषा की शुद्धता (अंक 10)। कुल अंकों के आधार पर 3 प्रतिभागी समूहों को क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया।हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन डा. अवतार सिंह, डा. विजयता सिंह, और श्रीमान धीरज कुमार की उपस्थिती में संपन्न हुआ तथा इस प्रतियोगिता के आयोजन की अध्यक्षता डा. अवतार सिंह के द्वारा की गई।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति देते हुए

हिन्दी गीत अन्ताक्षरी प्रतियोगिता

भाकृअनुप–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी पखवाड़ें के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं की श्रृखला में दिनांक 27.9. 2022 को अपराह्न 2.30 बजे हिन्दी गीत अन्ताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा इस प्रतियोगिता में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता का अवलोकन डा. राजकुमार, श्री नरेन्द्र कुमार वैद, श्री बृज मोहन मीणा, ने किया अन्ताक्षरी का अवलोकन पॉच चरणों में रखा गया तथा प्रत्येक चरणों के 10 अंक के आधार पर तीन प्रतिभागी समूहों को प्रथम, द्वितीय, व तृतीय स्थान पर पुरस्कार के लिए चुना गया इस प्रतियोगिता का आयोजन डा.निर्मलेन्दु बसाक, श्री अंकुर शर्मा, व श्रीमती रीना रानी के द्वारा करवाया गया।

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह

संस्थान में दिनांक 28 सितम्बर 2022 को हिन्दी पखवाडे का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि डा. गुरिन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य, खालसा महाविद्यालय, करनाल थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश की प्रगति एवं एकता के लिये मातृ भाषा में कार्य करना अति आवश्यक है। समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये राजभाषा हिन्दी ही एक सर्वोच्च माध्यम है।
इस अवसर पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने संबंधित विषयों पर प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में संस्थान के नियमित एवं अनियमित कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डा. पी. आर. भटनागर ने संस्थान के सभी कर्मचारियों को अधिक से अधिक हिन्दी भाषा में कार्य करने के लिये आह्वान किया।

हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर सभा को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. गुरिन्द्र सिंह	*सभा को संबोधित करते हुये संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डा. पी.आर. भटनागर*
वाद–विवाद प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए संस्थान के सदस्य	*प्रमाण–पत्र ग्रहण करते हुए प्रतिभागी*